SUNDAY | 04.09.2022 | भाद्रपद शुक्ल-अष्टमी विक्रम संवत-2079 उत्तर प्रदेश

अमर उजाला

महानगर वर्ष 54 | अंक 228 | पृष्ठ : 18 | मूल्य : सात रुपये बरेली • 6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 22 संस्करण

PAGE NO : 06 TOP

मानवसेवा के इस पेशे में ईमानदारी बहुत जरूरी : डॉ. बीके राव

पद्मभूषण डॉ. राव ने सकारात्मक सोच के साथ बढ़ने का दिया संदेश, 259 विद्यार्थियों को मिली डिग्रियां, टॉपर्स को श्रीराममूर्ति गोल्ड मेडल दिए

एसआरएमएस का नौवां दीक्षांत समारोह

संवाद न्यूज एजेंसी

भोजीपुरा। एसआरएमएस इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज और एसआरएमएस इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज के नौवें दीक्षांत समारोह में 259 विद्यार्थियों को डिग्रियां मिलीं। मेडिकल और पैरामेडिकल के 34 विद्यार्थियों को श्रेष्ठ शैक्षिक प्रदर्शन पर ट्रॉफी और सर्टिफिकेट दिए गए। अपने-अपने बैच में ओवरऑल टॉपर रहे पीजी और यूजी के पांच तथा पैरामेडिकल के दो विद्यार्थियों को श्रीराममूर्ति गोल्ड मेडल के साथ ही 51-51 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। मुख्य अतिथि डॉ. बीके राव ने पास आउट विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। कहा, मानसेवा के इस पेशे में ईमानदारी बहुत जरूरी है।

एसआरएमएस इंस्टीट्यूट के दीक्षांत समारोह में मेधावी छात्रा को डिग्री प्रदान करते अतिथि और समारोह में मौजूद डिग्रीधारक। *संवाद*

डिग्रियां मिलने के साथ ही बढ़ गई है जिम्मेदारी

अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि आज डिग्री हासिल करने के बाद विद्यार्थियों के नाम के आगे डॉक्टर लग गया है। इससे आप सबकी जिम्मेदारी अब और ज्यादा बढ़ गई हैं। ये डिग्री मानवसेवा के प्रति संकल्पबद्ध है। जीवनभर मरीज और उसके इलाज के प्रति ईमानदार रहें, इससे सम्मान मिलेगा।

समारोह का शुभारंभ सरस्वती वंदना और संस्थान गीत से हुआ। संस्था के चेयरमैन देवमूर्ति ने अतिथियों का स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने भी प्रोफेशनल लाइफ में ईमानदारी का पाठ पढ़ाया। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति ने कहा कि मेहनत से कोई भी मंजिल हासिल की जा सकती है। सपने साकार करने के लिए पर्याप्त परिश्रम जरूरी है। आज इन्हीं सपनों को साकार होते देखने का दिन है। अध्यक्षता एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने की।

माता-पिता के आशीर्वाद बिना कुछ भी पाना असंभव

पद्मभूषण डॉ. बीके राव ने विद्यार्थियों को माता-पिता और गुरुओं के प्रति जीवन भर आभारी रहने का संदेश दिया। कहा, आज आपने जो कुछ भी हासिल किया है वह माता-पिता के आशीर्वाद से ही संभव हुआ है। बिना उनके आशीर्वाद के कुछ भी पाना संभव नहीं है। विद्यार्थी को सफलता प्रदान कराने के लिए गुरु कठिन मेहनत करते हैं। ये डिग्री मानवसेवा के प्रति संकल्पित है, इसका हमेशा ध्यान रखें। मानवसेवा से बड़ा कुछ भी नहीं है। इसी से यश और कीर्ति मिलती है।

यूं ही नहीं मिलती डिग्री

एमजेपी रुहेलखंड विवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि डिग्री यूं ही नहीं मिल जाती, इसे कठिन परिश्रम से हासिल करना पड़ता है। डॉक्टर की डिग्री तो और भी महत्वपूर्ण है। ये डिग्री अगर एसआरएमएस जैसे स्तरीय संस्थान से हासिल हो, तो इसके प्रति जिम्मेदारी बढ़ जाती है। जो पत्थर चोट बर्दाश्त करने की क्षमता रखता है, वही मूर्ति बन पाता है, जो बिखर जाता है, वह रास्ते में बिछ जाता है।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, सुरेश सुंदरानी, बरेली कॉलेज के प्राचार्य डॉ. ओपी राय, पूर्व प्राचार्य डॉ. अनुराग मोहन, डॉ. वंदना शर्मा, डॉ. आलोक खरे, प्रवीण कुमार, इंजीनियर सुभाष मेहरा, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. नसीम अख्तर, मुकुट बिहारी, डॉ. रिंटू चतुर्वेदी, डीन पीजी डॉ. पीएल प्रसाद, डीन यूजी डॉ. नीलिमा मेहरोत्रा मौजूद रहीं। स्वागत प्रिंसिपल डॉ. एसबी गुप्ता ने किया। आभार मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. आरपी सिंह ने व्यक्त किया।